अनुक्रमांक :

कोड : MMS 021

एमबीए/पीजीडीएफएम

वर्ष : मई-2013

चतुर्थ सत्र (वित्त), प्रश्नपत्र – 01

अंतरराष्ट्रीय वित्तीय प्रबंध

समय: 3 घंटे

पूर्णांक : 70

निर्देश : 1. **अंतिम प्रश्न** अनिवार्य है।
2. शेष में से **किन्हीं चार प्रश्नों** के उत्तर दीजिए।
3. सभी प्रश्नों के अंक समान हैं।

प्रश्न 1. अंतरराष्ट्रीय वित्तीय प्रबंध की संकल्पना स्पष्ट करते हुए अंतरराष्ट्रीय वित्तीय प्रबंध के उद्देश्य लिखिए।

प्रश्न 2. भुगतान शेष की अवधारणा को परिभाषित कीजिए। भुगतान शेष का महत्व एवं भुगतान शेष में असंतुलन बताइए।

प्रश्न 3. विदेशी विनिमय बाजार को विस्तार से समझाइए। तुरंत एवं अग्रिम बाजार के मध्य अंतर स्पष्ट कीजिए।

प्रश्न 4. अंतरराष्ट्रीय पूंजी बजटन से आप क्या समझते हैं? यह घरेलु पूंजी बजटन से किस तरह अलग है?

प्रश्न 5. पूंजी बजटन क्या है? पूंजी बजटन की प्रमुख विधियाँ समझाइए।

प्रश्न 6. कार्यशील पूंजी की अवधारणा स्पष्ट करते हुए कार्यशील पूंजी के प्रमुख स्रोतों की चर्चा कीजिए।

प्रश्न 7. अंतरराष्ट्रीय वित्तीय बाजार से क्या आशय है? इसके विकास का विश्लेषण कीजिए।

प्रश्न 8. अंतरराष्ट्रीय प्रतिभूति बाजार के महत्व को विस्तारपूर्वक उल्लेखित कीजिए।

प्रश्न 9. अंतरराष्ट्रीय विकास बैंक की कार्यप्रणाली की आलोचनात्मक समीक्षा कीजिए।

प्रश्न 10. निम्नलिखित में से किन्हीं दो पर संक्षिप्त टिप्पणी लिखिए-
(क) भारत में प्रत्यक्ष विदेशी विनियोग
(ख) अग्रिम बाजार में विनिमय दरों का निर्धारण
(ग) ऋणपत्र लागत की विधि
(घ) यूरो बॉन्ड बाजार

अनुक्रमांक :

कोड : MMS 022

एमबीए/पीजीडीएफएम

वर्ष : मई-2013

चतुर्थ सत्र (वित्त), प्रश्नपत्र – 02

वित्तीय सेवाओं का प्रबंध

समय: 3 घंटे

पूर्णांक : 70

निर्देश : 1. **अंतिम प्रश्न** अनिवार्य है।
2. शेष में से **किन्हीं चार प्रश्नों** के उत्तर दीजिए।
3. सभी प्रश्नों के अंक समान हैं।

प्रश्न 1. सेवाओं को कैसे वर्गीकृत किया जा सकता हे? उदाहरण देकर समझाइए।

प्रश्न 2. भारत में मूल सेवा व्यापार क्या है और उनका अर्थव्यवस्था में वृद्धि का क्या योगदान है?

प्रश्न 3. शेयर बाजार से शेयर खरीदने व बेचने के लिए खोले जाने वाले डी.मैट खाते को कैसे और क्यों खोला जाता है?

प्रश्न 4. मर्चेंट बैंकिंग सामान्य बैंकिंग से किस प्रकार भिन्न है।

प्रश्न 5. साख निर्धारण को परिभाषित करते हुए साख निर्धारण प्रमापीकरण की व्याख्या कीजिए।

प्रश्न 6. क्रेडिट कार्ड क्या है? इसके प्रमुख कार्यों का वर्णन कीजिए।

प्रश्न 7. विपणन मिश्रण को प्रभावित करने वाले घटकों का वर्णन कीजिए।

प्रश्न 8. सेवा किस्म किसे कहते हैं स्पष्ट कीजिए।

प्रश्न 9. स्टॉक एक्सचेंज के कार्यों की समीक्षा कीजिए।

प्रश्न 10. निम्नलिखित में से किन्हीं दो पर संक्षिप्त टिप्पणी लिखिए-
(क) सेवा की विशेषताएँ
(ख) ब्राण्ड के विभिन्न प्रकार
(ग) कर वातावरण
(घ) ग्राहक संबंध प्रबंध

अनुक्रमांक :

कोड : MMS 023

एमबीए

वर्ष : 2010-2013

चतुर्थ सत्र (वित्त), प्रश्नपत्र – 03

कार्यशील पूंजी प्रबंध

समय: 3 घंटे

पूर्णांक : 70

निर्देश : 1. **अंतिम प्रश्न** अनिवार्य है।
2. शेष में से **किन्हीं चार प्रश्नों** के उत्तर दीजिए।
3. सभी प्रश्नों के अंक समान हैं।

प्रश्न 1. कार्यशील पूंजी के प्रबंध से आप क्या समझते हैं? इसके महत्व का वर्णन कीजिए।

प्रश्न 2. प्रत्यावर्तन अवधि की अवधारणा समझाइए। व्यापारियों में यह रीति लोकप्रिय क्यों है? इसकी क्या सीमाएँ हैं?

प्रश्न 3. रोकड़ बजट की निर्माण विधि की व्याख्या उदाहरण सहित कीजिए। एक फर्म को बनाए रखने के लिए वित्तीय नियोजन की आवश्यकता क्यों पड़ती है?

प्रश्न 4. रोकड़ प्रवाह का प्रबंधन किस प्रकार किया जाता है? बॉमोल के रोकड़ प्रबंध मॉडल का संक्षिप्त उल्लेख कीजिए।

प्रश्न 5. प्राप्यों का अर्थ और प्राप्यों से संबंधित विभिन्न लागतों एवं लाभों का वर्णन करते हुए स्पष्ट कीजिए कि इनका विश्लेषण कैसे किया जाता है?

प्रश्न 6. अनुकूलतम साख नीति क्या है और यह कैसे निर्धारित की जाती है? प्राप्य प्रबंध के कार्य क्या हैं? विवेचना कीजिए।

प्रश्न 7. 'इन्वेन्ट्री' को परिभाषित कीजिए। इन्वेन्ट्री का उचित मूल्यांकन क्यों महत्वपूर्ण है?

प्रश्न 8. इन्वेन्ट्री नियंत्रण से आप क्या समझते हैं? इसके उद्देश्यों एवं कार्यों की विवेचना कीजिए।

प्रश्न 9. विनियोग मूल्यांकन की विभिन्न पद्धतियों का वर्णन कीजिए और शुद्ध वर्तमान मूल्य पद्धति तथा आंतरिक प्रत्याय दर पद्धति में भेद स्पष्ट कीजिए।

प्रश्न 10. निम्नलिखित में से किन्हीं दो पर संक्षिप्त टिप्पणी लिखिए-
(क) ए.बी.सी. वर्गीकरण
(ख) साख प्रमाप
(ग) भारतीय मुद्रा बाजार
(घ) कार्यशील पूंजी का परिचालन चक्र

अनुक्रमांक : कोड : **MMS 024**

एमबीए

वर्ष : 2010-2013

चतुर्थ सत्र (वित्त), प्रश्नपत्र – 04

प्रत्याभूति विश्लेषण एवं पोर्टफोलियो प्रबंध

समय: 3 घंटे पूर्णांक : 70

निर्देश : 1. **अंतिम प्रश्न** अनिवार्य है।
2. शेष में से **किन्हीं चार प्रश्नों** के उत्तर दीजिए।
3. सभी प्रश्नों के अंक समान हैं।

प्रश्न 1. सरकारी प्रतिभूतियों से क्या अभिप्राय है? इसके क्या लाभ हैं?

प्रश्न 2. प्रभावी बाजार सिद्धांत से आप क्या समझते हैं?

प्रश्न 3. प्राथमिक एवं द्वितीयक प्रतिभूति बाजारों की सोदाहरण व्याख्या कीजिए।

प्रश्न 4. सेबी की भूमिका का का विस्तार से उल्लेख कीजिए।

प्रश्न 5. प्रत्याय दर से आपका क्या आश है? उदाहरण सहित वर्णन कीजिए।

प्रश्न 6. पोर्टफोलियो विश्लेषण कैसे करते हैं? सोदाहरण व्याख्या कीजिए।

प्रश्न 7. पूंजी बाजार सिद्धांत को परिभाषित कीजिए।

प्रश्न 8. ट्रेनर विधि का विस्तार से वर्णन कीजिए।

प्रश्न 9. एकल निर्देशांक मॉडल से आप क्या समझते हैं?

प्रश्न 10. निम्नलिखित में से किन्हीं दो पर संक्षिप्त टिप्पणी लिखिए-
(क) जोखिम का मापन
(ख) नवनिर्गमन बाजार
(ग) पोर्टफोलियो का आशय
(घ) निवेश निष्पादन